भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2958 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

2958. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की वर्तमान स्थिति सहित इस संबंध में जारी की गई निविदाओं या शुरू किए गए भौतिक कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना के लिए कुल स्वीकृत निवेश और कार्यों के वित्तपोषण तथा क्रियान्वयन में केंद्र, राज्य और रेल प्राधिकरणों की क्या भूमिका है;

(ग) इसके चरण-I और चरण-II के अंतर्गत टर्मिनल भवन उन्नयन, तीर्थस्थल केंद्र, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्काईवॉक, एसटीपी, पार्किंग और अन्य यात्री सुविधा जैसे कार्यों का निर्धारित दायरा और उनका पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है;

(घ) स्टेशन तक कनेक्टिविटी में सुधार (सड़क, पैदल यात्री, अंतिम मील) की स्थिति क्या है; और

(ङ) प्रत्येक चरण के पूरा होने की संभावित तिथि और कुल परिव्यय क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य को 98.46 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है।

चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन के मास्टर प्लान में नए टर्मिनल भवन, तीर्थयात्री आश्रय, पैदल पार पुल, 12 मीटर चौड़ा रूफ प्लाजा, प्लेटफार्म शेल्टर सहित प्लेटफार्म उन्नयन, परिचलन क्षेत्र और

पार्किंग स्थल में सुधार आदि का निर्माण शामिल है। चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हाल के वर्षों में, चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन पर परिचलन क्षेत्र में पे एण्ड यूज शौचालयों में सुधार, एसी प्रतीक्षालय के साथ-साथ रिटायरिंग रूम में सुधार और क्षतिग्रस्त प्लेटफार्म शेल्टर की छत को बदलने का कार्य किया गया है।

केरल राज्य में 35 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की सं.	अमृत स्टेशनों का नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, अंगमालि कालडि, चलाकुडी, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीष़, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कण्णूर, कासरगोड, कयानकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम सैंट्रल, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडकांचेरी

वर्तमान में 2 स्टेशनों अर्थात चिरयिनकीष़ और वडकरा के चरण-I के कार्य पूरे हो चुके हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार और प्लेटफार्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है जिसके लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तन वर्ष 2025-26 के लिए 1122 करोड़ रुपए (बजट अनुमान) का कुल आबंटन किया गया है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन एक सतत और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और क्रियान्वयन के समय, निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का चरणबद्ध होना आवश्यकता, मौजूदा अवसंरचनात्मक स्तर, स्टेशन पर आने वाले यात्रियों की संख्या में परिवर्तन, आस-पास के क्षेत्रों का विकास और स्टेशन के साथ उनका सह-संबंध, परिवहन के पूरक साधनों में परिवर्तन, निधि की उपलब्धता, पारस्परिक

प्राथमिकता आदि कई कारकों पर निर्भर करता है, यह एक धीरे-धीरे विकसित होने वाली प्रक्रिया है जो कई परिणामी कारणों पर निर्भर करती है और इसके लिए इस स्तर पर कोई समय-सीमा इंगत नहीं की जा सकती है।

****